Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to facilitate the bredding of cows through Sex Sorted Semen and establish cow shelters for protection of cows in the country.

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल (आगरा): माननीय सभापति जी, मैं एक ऐसे वर्ग के लिए आपसे न्याय मांगने के लिए खड़ा हुआ हूं, जिनकी यूनियन नहीं है, जो जिंदाबाद-मुर्दाबाद नहीं करते हैं ।

आज निराश्रित गौवंश की बहुत ही बदहाली है । जाड़े में किसान गौवंश से होने वाले नुकसान से अपनी फसलों की रक्षा करने के लिए रात-रात भर जागे हैं । आज बैल प्राइसलेस और यूजलेस हो गए हैं । उसका कारण यह है कि अब हल, बैलगाड़ी, कोल्हू, रहट आदि नहीं चलते हैं और मशीनों के कारण अब इनका किसी भी तरह से उपयोग नहीं हो रहा है । पहले ये इतने महंगे थे कि किसी के पास एक बैल अपना होता था, एक बैल दूसरे का होता था, बछड़ा पैदा होने पर मिठाइयाँ बांटी जाती थीं, सोहर के गीत गाए जाते थे । लेकिन अब बछड़ा पैदा होने पर मातम मनाया जाता है ।

माननीय पशुपालन मंत्री जी भी यहाँ मौजूद हैं, मैं केन्द्र सरकार से कहना चाहूंगा कि सेक्स शॉर्टेड सीमेन एक नयी टेक्नोलॉजी आई है, जिससे मेल चाहो तो मेल और फीमेल चाहो तो फीमेल बच्चा हो सकता है । गाय तब छोड़ी जाती है, जब वह गर्भधारण करना बंद कर दे अथवा दूध देना बंद कर दे । लेकिन नंदी महाराज पहले दिन से ही पैरासाइट होते हैं क्योंकि अब किसान उनका कोई उपयोग नहीं कर रहा है । इसलिए सेक्स शॉर्टेड सीमेन के लिए राज्यों को धन उपलब्ध कराया जाए । इससे 90 प्रतिशत गारंटी होगी । माननीय गिरिराज सिंह जी बैठे हुए हैं, अगर आप सेक्स शॉर्टेड सीमन उपलब्ध करा देते हैं, अगर आप यह पर्याप्त मात्रा में देश में उपलब्ध करा दें, तो गारंटी है कि 92 परसेंट बछिया ही पैदा होगी । ऊपर से वह साहिवाल, थारपारकर, हरियाणवी, गीर की प्रजाति होगी । हम ऐसा सुनते हैं कि पहले दूध की नदियाँ बहती थीं । अगर सेक्स शॉर्टेड सीमेन का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा हर किसान उपयोग कर लेगा, जिसे

आप लोग पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं, तो सबके घर में एक उन्नत किस्म की बछिया जरूर होगी ।

मैं चाहता हूं कि मनरेगा के द्वारा गौशालाएं स्थापित हों । लाभदायी संस्थाएं सेज़ के माध्यम से गायों का संवर्धन कर सकें ।...(व्यवधान) माननीय सभापति जी, मैं बस आधे मिनट में अपनी बात पूरी कर लूंगा ।

हमारी जिम्मेदारी इसलिए होती है कि माननीय मंत्री जी गौ-भक्त हैं । हम तो गाय को माँ कहते हैं, लेकिन विपक्ष वाले तो मौसी और चाची भी नहीं कहते हैं । इसलिए उसके संवर्धन और संरक्षण की व्यवस्था की जाए ।

21.00 hrs